KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 2

राजा, किसान और नगर
(आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं)

भाग - 3

मौर्य साम्राज्य

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जानकारी के स्त्रोत !

- इंण्डिका
- अर्थशास्त्र
- जैन, बौद्ध, संस्कृत ग्रंथ

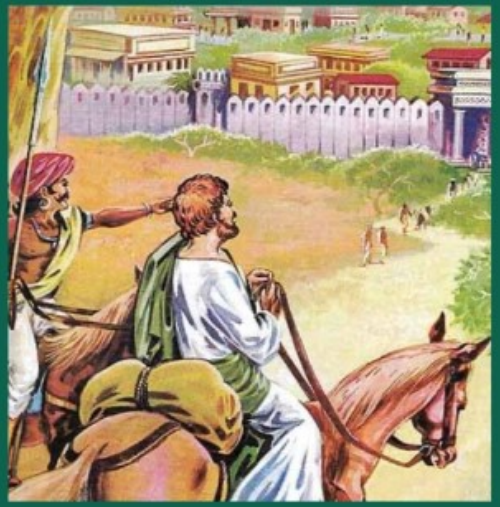

मौर्य वंश के बारे में जानकारी प्राप्त करना:

मौर्य साम्राज्य के इतिहास की रचना के लिए इतिहासकारों ने विभिन्न प्रकार के स्त्रोतों का उपयोग किया।

1. साहित्यिक स्त्रोत : मौर्यकालीन इतिहास के पुनर्निर्माण हेतु समकालीन रचनाऐं मूल्यवान सिद्ध हुई।

(a) चंद्रगुप्त मौर्य के दरबवार में आये यूनानी राजदूत मेगस्थनीज द्वारा 'इण्डिका' में लिखा गया विवरण। जिसके अब कुछ अंश ही उपलब्ध है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अशोक अभिलेख व मूर्तियां

(b) चंद्रगुप्त के मंत्री कौटिल्य या चाणक्य द्वारा लिखी गयी 'अर्थशास्त्र'

(c) मौर्य शासकों का उल्लेख परवर्ती जैन, बौद्ध और पौराणिक ग्रंथों द्वारा संस्कृत वाङ्मय में भी मिलता है।

2. पुरातात्विक स्रोत :

(a) पत्थरों और स्तम्भों पर मिले असोक के अभिलेख सबसे मूल्यवान स्त्रोत हैं।

(b) मौर्यकालीन मूर्तियां भी इसके स्त्रोत हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

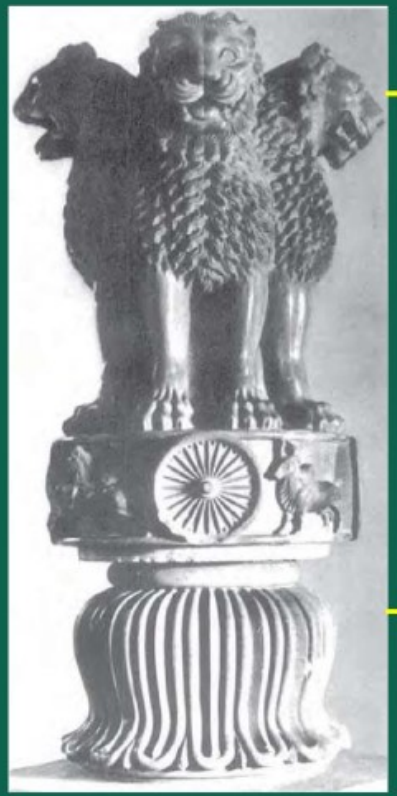

प्रजा
+
अधिकारियों

- संदेश
- 'धम्म' प्रचार

- असोक वह पहला शासक था जिसने अपने अधिकारियों और प्रजा के लिए संदेश प्राकृतिक पत्थरों और पॉलिश किये हुए स्तंभों पर लिखवाये थे।
- असोक ने अपने अभिलेखों के माध्यम से धम्म का प्रचार किया।

धम्म

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. मौर्य के बारे मे जानकारी प्राप्त करने हेतु हम किन साहित्यिक स्त्रोत का इस्तेमाल कर सकते है?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. अशोक अभिलेखों से प्रजा को क्या संदेश देना चाहता था?

Q पुरातात्विक स्रोत से आपका क्या मानना है?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

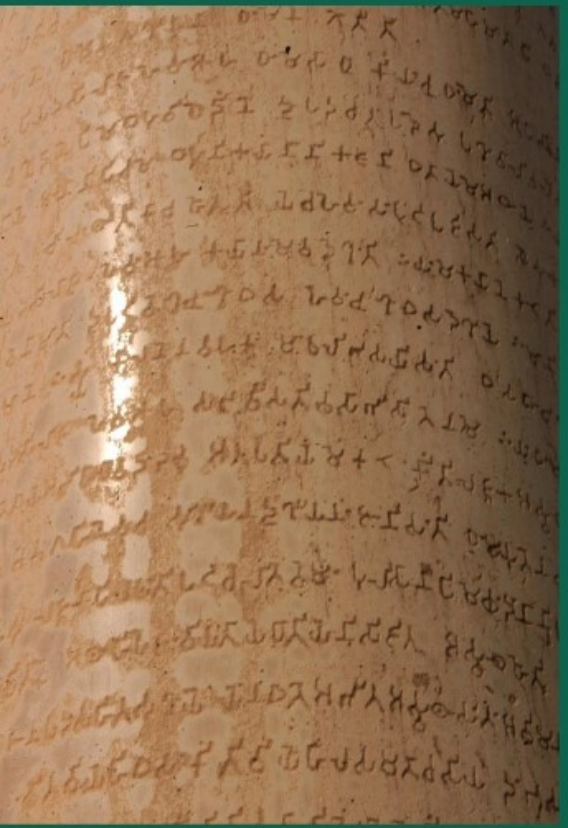

भाषाऐं और लिपियां :

भाषा : जो बोलने में प्रयुक्त हो जैसे - प्राकृत, अरामेइक, यूनानी, हिन्दी।

लिपि : जो लिखने में प्रयुक्त हो - देवनागिरी लिपि ब्राह्मी लिपि, खरोष्ठी लिपि।

असोक के अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा के हैं जबकि पश्चिमोत्तर से मिले अभिलेख - अरामेइक व यूनानी भाषा के है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

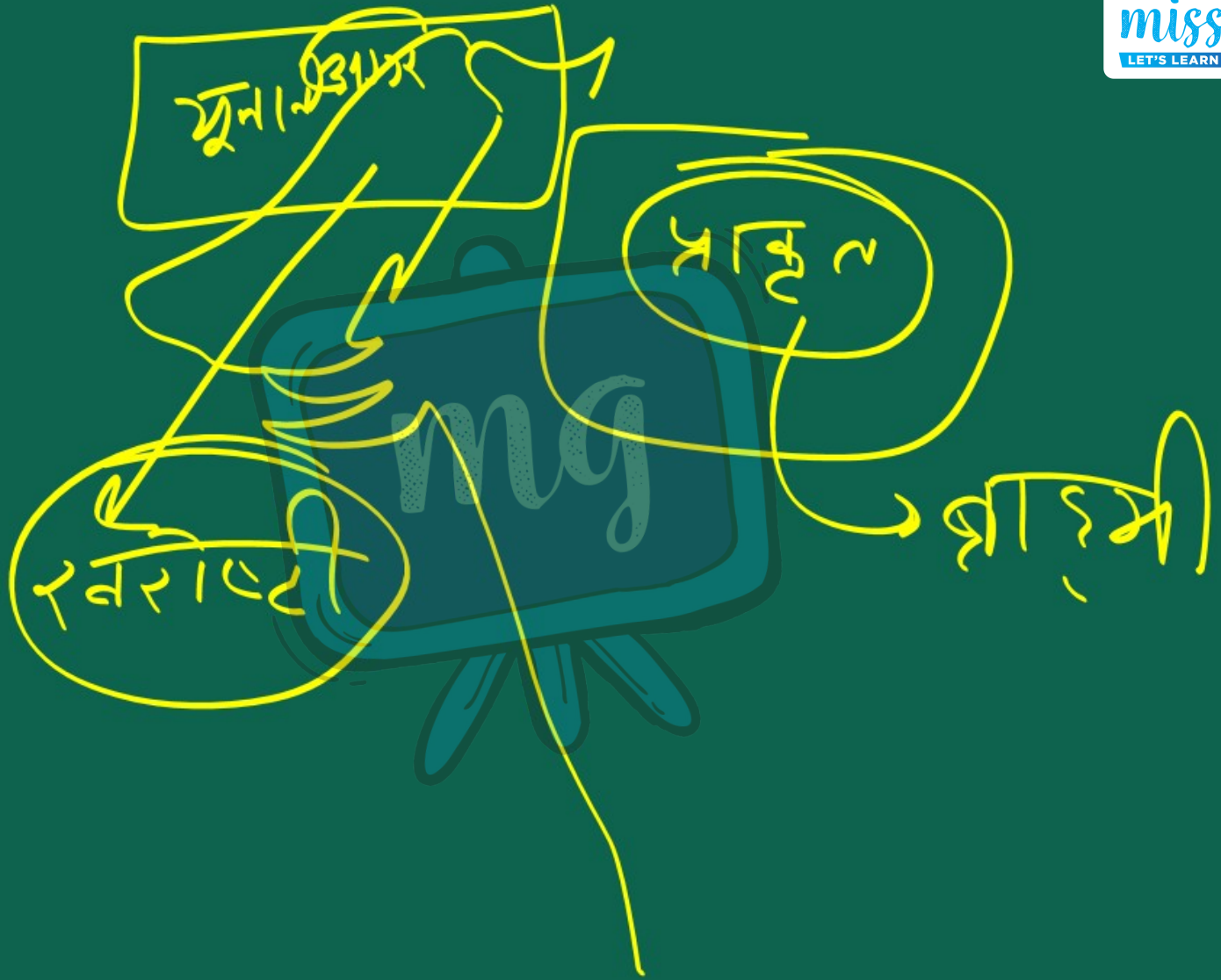

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्राकृत भाषा वाले अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गये थे जबकि पश्चिमोत्तर के अभिलेख खरोष्ठी लिपि में लिखे हैं।
- अरामाईक तथा यूनानी लिपियों का प्रयोग अफगानिस्तान के अभिलेखों में किया गया है।

KOLORS
make life better



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

असोक का धम्म :

- बड़ों के प्रति आदर।
- सन्यासियों और ब्राह्मणों के प्रति उदारता।
- सेवकों और दासों के साथ उदार व्यवहार।
- दूसरे के धर्मों और परंपराओं का आदर शामिल है।

प्राणियों का वध न करना। जीव हिंसा न करना।

धम्म के सिद्धांत बहुत ही साधारण तथा सार्वभौमिक थे।

२६।

धम्म

सन्यासियों ब्राह्मणों को आदर

दास के प्रति उदारता

सहिष्णुता

लागू।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9. अशोक के धम्म से हम क्या समझते हैं?



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

धम्ममहामात्र

↓

धम्म के प्रचार प्रसार





- असोक के अनुसार धम्म के माध्यम से लोगों का जीवन इस संसार में और इसके बाद के संसार में अच्छा रहेगा।
- धम्म के प्रचार के लिए धम्म महामात्र नाम से विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की गयी।
- धम्म के प्रचार के द्वारा असोक ने अपने साम्राज्य को अखंड बनाये रखने का प्रयास किया।
- अपनी प्रजावत्सलता और अहंकार रहित हृदय की उदारता व कृपालुता में असोक पूरे विश्व के राजाओं में नितांत एक ही था। भारतीय इतिहास गगन का वह सबसे अधिक चमकने वाला तारा है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मौर्य साम्राज्य का प्रशासन :

- मौर्य साम्राज्य के 5 प्रमुख राजनीतिक केन्द्र थे -

1. राजधानी – पाटलिपुत्र
2. तक्षशिला (वर्तमान – पाकिस्तान)
3. उज्जयिनी
4. तोसालि (उड़ीसा में)
5. सुवर्णगिरि (दक्षिण में कर्नाटक)

प्रांतीय केन्द्र/प्रांत

- इस सबका उल्लेख असोक के अभिलेखों में किया गया है।
- आधुनिक पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर सीमांत प्रांत से लेकर आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और उत्तराखंड तक हर स्थान पर एक जैसे संदेश उत्कीर्ण किये गये थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक

प्रशासनिक व्यवस्था :

- इतने बड़े साम्राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में इतिहासकारों का मानना है कि पूरे साम्राज्य में एक जैसी व्यवस्था रखना संभव नहीं था।
- साम्राज्य में शामिल क्षेत्र बड़े विविध और भिन्न भिन्न प्रकार के थे - कहां अफगानिस्तान के पहाड़ी क्षेत्र और कहां उड़ीसा के तटवर्ती क्षेत्र।
- संभव है कि सबसे अधिक प्रशासनिक नियंत्रण साम्राज्य की राजधानी तथा उसके आस पास के प्रांतीय केन्द्रों पर ही रहा हो।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

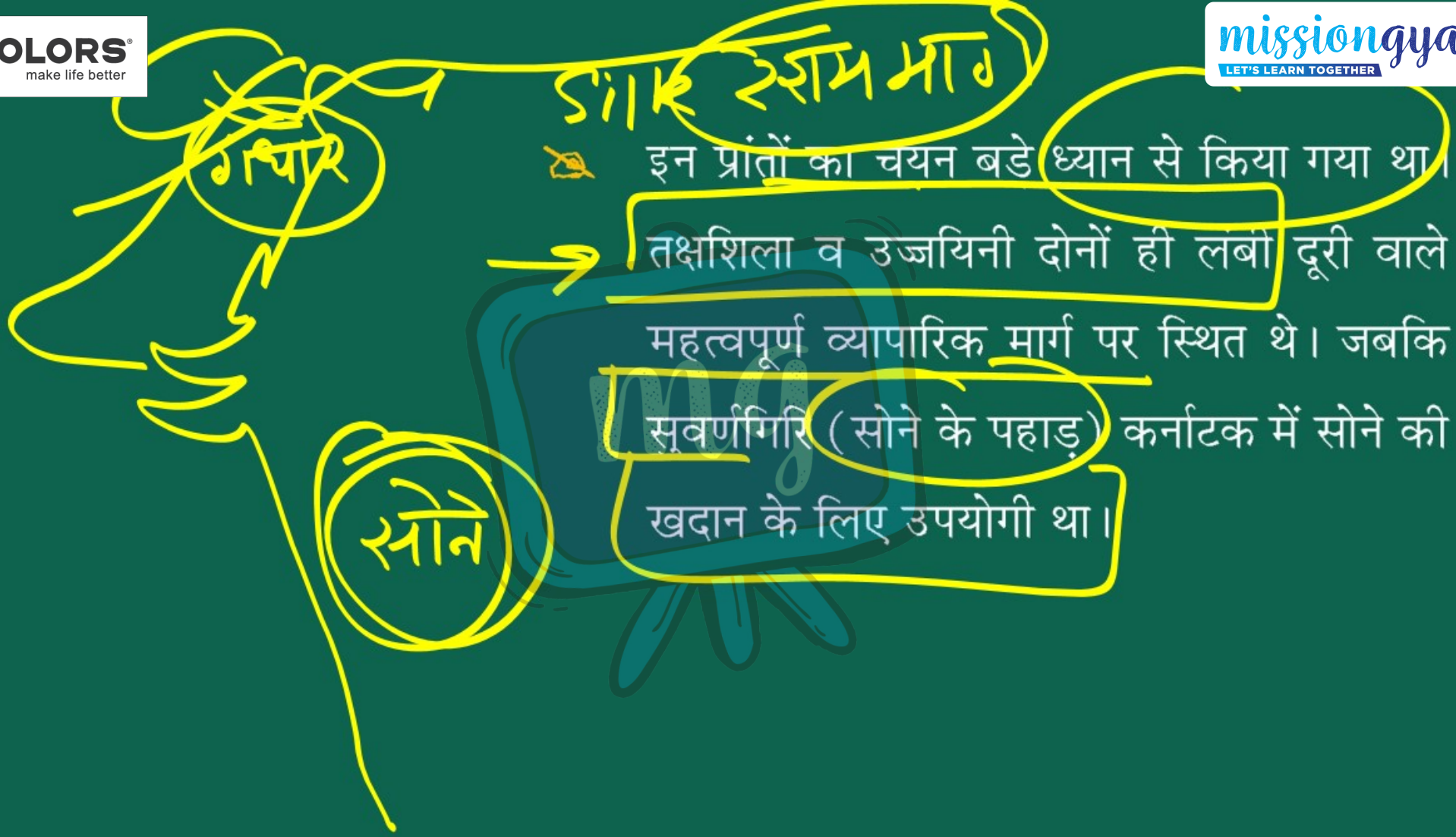

- इन प्रांतों का चयन बडे ध्यान से किया गया था। तक्षशिला व उज्जयिनी दोनों ही लंबी दूरी वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर स्थित थे। जबकि सुवर्णगिरि (सोने के पहाड़) कर्नाटक में सोने की खदान के लिए उपयोगी था।

KOLORS®
make life better

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. अशोक की प्रशासनिक व्यवस्था के तारे मे चर्चा करे ?

प्रांत

+ एक समान

+ राजधानी

+ → गांधार / सुवर्ण

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सेल्युकस निकेटर

इण्डिका

सम्राट के अधिकारियों के कार्य :

(मेगस्थनीज के विवरण का एक अंश)

1. सम्राट के कुछ अधिकारी नदियों की देख रेख तथा भूमि मापन का काम करते थे। (जैसा कि मिश्र में होता था)।
2. कुछ प्रमुख नहरों से उपनहरों के लिए छोड़े जाने वाले पानी के मुखद्वार का निरीक्षण करते थे ताकि हर स्थान पर पानी की समान पूर्ति हो सके।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

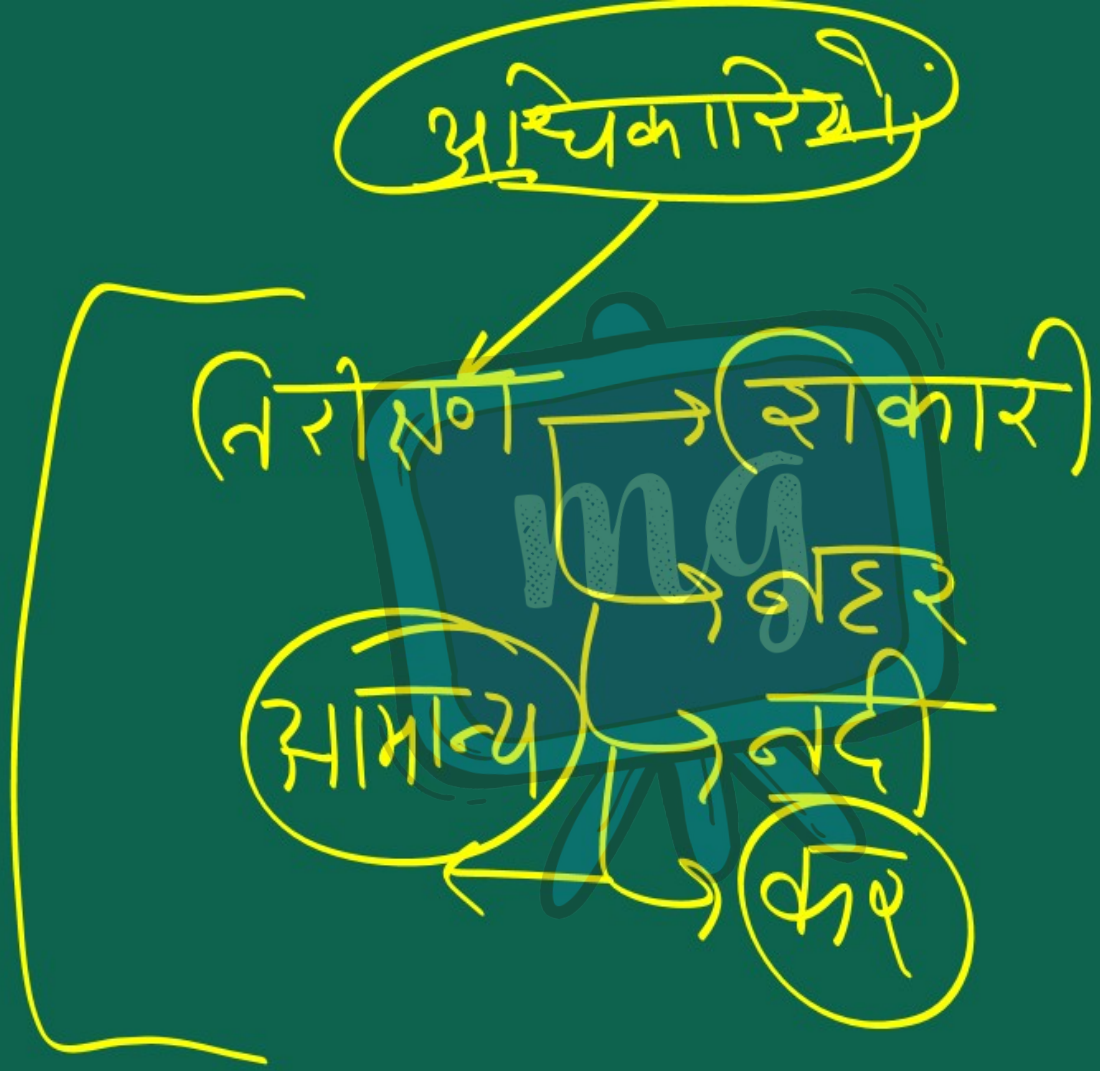

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. कुछ अधिकारी शिकारियों का संचालन करते हैं तथा शिकारियों के कृत्यों के आधार पर उन्हें इनाम या दंड देते हैं।
4. कुछ कर वसूली करते हैं तथा भूमि से जुड़े सभी व्यवसायों का निरीक्षण करते हैं।
5. कुछ लकड़ाहारों, बढ़ई, लोहारों और खननकर्ताओं का भी निरीक्षण करते हैं।

साम्राज्य के संचालन के लिए भूमि और नदियों दोनों मार्गों के आवागमन बना रहना अत्यंत आवश्यक था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

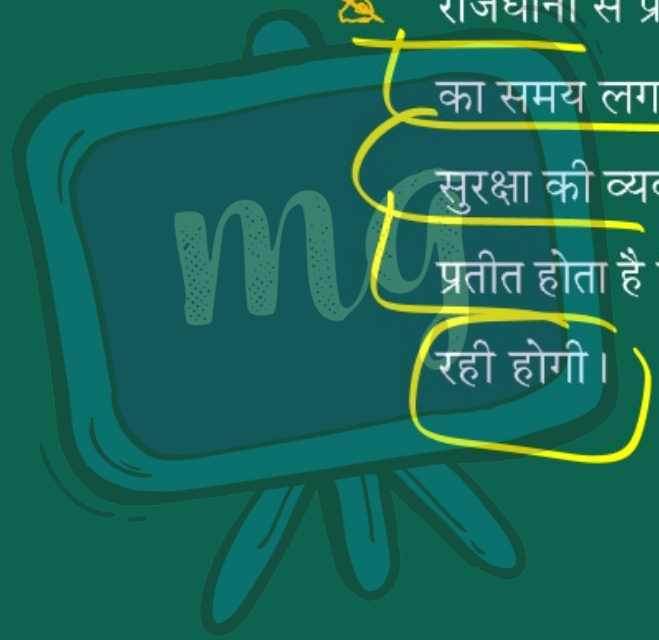

राजधानी से प्रांतों तक जाने में कई सप्ताह या महीनों का समय लगता होगा। अत: यात्रियों के खान पान व सुरक्षा की व्यवस्था भी करनी पड़ती होगी। यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि सेना, सुरक्षा का एक प्रमुख माध्यम रही होगी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सैनिक गतिविधियां : (मैगस्थनीज द्वार

सेना के संचालन के लिए एक समिति दशा थी: उपसमितियां थी। उपसमितियों के कार्य :-

1. पहली उपसमिति – नौसेना का संचालन करना
2. दूसरी उपसमिति – यातायात व खानपान का संचालन करना।
3. तीसरी उपसमिति – पैदल सैनिकों का संचालन।
4. चौथी उपसमिति – अखारोहियों का संचालन।
5. पाँचवीं उपसमिति – रथरोहियों का संचालन
6. छठी उपसमिति – हाथियों का संचालन करना।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दूसरी उपसमिति के दायित्व विभिन्न प्रकार के थे–

(i) उपकरणों को ढोने के लिए बैलगाड़ियों की व्यवस्था करना।

(ii) सैनिकों के लिए भोजन और जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था करना

(iii) सैनिकों की देखभाल के लिए सेवकों और शिल्पकारों की नियुक्ति करना।

अर्थशास्त्र में सैनिक और प्रशासनिक संगठन का विस्तृत विवरण मिलता है।